www.rojgarsamachar.gov.in
www.employmentnews.gov.in

सत्यमेव जयते

अंग्रेजी एवं उर्दू में भी प्रकाशित
वार्षिक शुल्क : ₹ 530

# रोज़गार समाचार

साप्ताहिक

खंड 44 अंक 44 पृष्ठ 24 | नई दिल्ली 1 - 7 फरवरी 2020 | ₹ 12.00

# निवेश कोष प्रबंधक एक आकर्षक कॅरिअर

**निधि प्रसाद**

आधुनिक अर्थव्यवस्था ने छात्रों के लिये बहुत से अवसर खोल दिये हैं, और यदि आपके पास दूसरों को अच्छी खासी आमदनी पाने के उत्कृष्ट मार्ग खोज़ने में सहायता करने का जुनून है तो बैंकिंग क्षेत्र सर्वाधिक आकर्षक विकल्प हैं, और जोखिमों का विश्लेषण करने अथवा व्यवसायों में मदद करने, अन्य व्यवसायों का क्रय करने में सहायता करने की रुचि रखते हैं तो निवेश प्रबंधन में कॅरिअर पर विचार करें.

### निवेश कोष प्रबंधक कौन होता है?

एक निवेश कोष प्रबंधक वह व्यक्ति होता है जो अपने ग्राहकों के लिये धन और निवेश का प्रबंधन करता है ताकि उनके धन पर अधिकतम संभव रिटर्न मिल सके. वे ग्राहकों द्वारा उन्हें दी जाने वाली धनराशि के लिये, उससे संबंधित जोखिम, उसकी सहिष्णुता के साथ-साथ अंतिम लक्ष्य और भविष्य की योजनाओं को उचित तरीके से प्रबंधन के लिये जिम्मेदार होते हैं. मूल रूप से, निवेश कोष प्रबंधक बड़ी मात्रा में धनराशि लेते हैं और उसे निवेश करते हैं ताकि वे अपने ग्राहकों के लिये पैसा कमा सकें. निवेश कोष प्रबंधक निजी और कॉर्पोरेट ग्राहकों को निवेश के मामलों की एक शृंखला के बारे में, शेयर बॉन्ड, इन ग्राहकों को सर्वोत्तम स्थापनों पर अपने पैसे का निवेश करने में मदद सहित वित्तीय सलाह और सेवाएं प्रदान करते हैं. निवेश कोष प्रबंधक निवेश विश्लेषकों के साथ बहुत निकटता से काम करते हैं-निवेश प्रबंधक निवेश के बारे में निर्णय लेते हैं, जबकि विश्लेषक उन्हें ऐसी वित्तीय जानकारी और सिफारिशें प्रदान करते हैं जो इससे संबंधित निर्णय लेने में उन्हें सक्षम बनाती हैं.

एक निवेश प्रबंधक कोष की निवेश कार्यनीति को लागू करने और उसकी पोर्टफोलियो ट्रेडिंग गतिविधियों के प्रबंधन के लिये जिम्मेदार होता है. कोष का प्रबंधन एक व्यक्ति द्वारा, दो लोगों द्वारा सह प्रबंधक के रूप में, अथवा तीन या अधिक लोगों की टीम द्वारा किया जाता है.

निवेश कोष प्रबंधक अपने ग्राहकों के लिये सर्वोत्तम संभव विकल्प निर्धारित करने के लिये विभिन्न प्रकार के निवेशों पर शोध करने के लिये जिम्मेदार होता है. वह अपने ग्राहक की प्राथमिकताएं समझते हैं (जिसमें ग्राहक कितना जोखिम के साथ सहज है), और अपने निवेश पर रिटर्न को अधिकतम करते हुए निवेश का सही मिश्रण खोजने की कोशिश करते हैं.

निवेश कोष प्रबंधकों को नए ग्राहक जुटाने के लिए उनकी सेवाओं, उनके ज्ञान और उनके संपर्कों को बाज़ार में उतारने की आवश्यकता है. वे तब इन संभावित ग्राहकों को यह समझाने में मदद करते हैं कि निवेश प्रबंधक के साथ निवेश करना उनके लिये सबसे अच्छा क्यों है. उन्हें अपने मौजूदा ग्राहकों को अपने निवेश की प्रगति पर चर्चा करने और उनके प्रदर्शन को दर्शाने वाली रिपोर्ट और चार्ट प्रदान करने के लिये समय-समय पर बैठक करके अपने कोष की स्थिति पर चर्चा करना और ग्राहकों को आश्वस्त जारी रखना चाहिये.

अपने ग्राहकों के निवेश का प्रबंधन करना निवेश कोष प्रबंधक का काम होता है, चाहे वे व्यक्ति हों अथवा व्यवसाय हों. इस तरह उन्हें बहुत सावधानी बरतनी चाहिये कि वे केवल अपने निवेश को बढ़ाएं, न कि अन्य प्रकार के तौर तरीकों में उलझें.

निवेश कोष प्रबंधक सामान्यतः वरिष्ठ प्रबंधन में स्थान रखते हैं और वित्तीय निर्णय लेते हैं जो अपने ग्राहकों के लिये पैसा बनाने के लिये बहुत मुश्किल होता है. स्टॉक, बॉन्ड, मनी मार्केट फंड आदि जैसे विभिन्न वित्तीय बाज़ारों में निवेश करना उनका काम होता है.

**निवेश प्रबंधन आकर्षक व्यवसाय :** निवेश प्रबंधक लोगों और कंपनियों को यह सलाह देते हैं कि उन्हें अपनी धनराशि का क्या करना चाहिये. इसमें एक तरह का जासूसी करने का कार्य शामिल होता है जो हर बार जब भी आप अपने ग्राहकों के लिये निवेश के विकल्प ढूंढ़ते हैं, अलग-अलग होता है. एक दिन आप एक फैशन डिज़ाइनर की मदद कर सकते हैं और अगले दिन, यह एक कंपनी है जिसने आपदा पीड़ितों को राहत और आश्रय खोजने में मदद करने के लिये एक ऐप बनाया है. हर दिन अलग है, और चूंकि निवेश वैश्विक घटनाओं, कठिन मौसम और मानवीय भावनाओं जैसी अप्रत्याशित चीजों से प्रभावित हो सकता है, इसलिये ऊब होने का समय नहीं होता है. आपको नई और अलग-अलग निवेश रणनीतियों और ग्राहकों की ओर से धन को निर्देशित करने के तरीके केसाथ आगे बढ़ते रहना होगा.

### निवेश कोष प्रबंधक क्या करता है?

निवेश कोष प्रबंधक अपने ग्राहकों के लिये व्यक्तिगत या व्यवसाय की जरूरतों के आधार पर एक निवेश योजना का निर्धारण करते हैं और कोष प्रबंधक इस बात का मूल्यांकन करेगा कि कौन से निवेश विकल्प उस ग्राहक के लिये सबसे उपयुक्त हैं. निवेश कोष प्रबंधक का लक्ष्य अपने ग्राहकों की संपत्ति में वृद्धि करना होता है. उन्हें यह निर्धारित करने के लिए ग्राहक से मिलना चाहिये कि निवेश की रणनीति उनकी आवश्यकताओं के अनुसार क्या होगी.

- विभिन्न शेयरों या निधियों पर शोध करना जो हाल के उत्पाद विकास, आय विवरण, या अन्य कारणों से समाचारों में हो सकते हैं ताकि संभावित या वर्तमान निवेश से अधिकतम मूल्य निकालने का प्रयास किया जा सके.
- संभावित ग्राहकों के रूप में लक्षित करने के लिये संभावित व्यक्तियों या कंपनियों पर शोध करना.
- संभावित ग्राहकों के लिये प्रस्तावों का विकास, इन संभावित निवेशकों को निवेश जोखिम के लिये उनकी सहिष्णुता को समझने में मदद करना और यह भविष्य के लिये उनकी योजनाओं के अनुरूप कैसे हो सकता है.
- मौजूदा ग्राहकों के लिये रिपोर्ट तैयार करना, उनके निवेश की सफलता का वर्णन करना या नये निवेश का प्रस्ताव करना जो उनके पोर्टफोलियो को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं.
- नए और मौजूदा ग्राहकों के लिये सेवाओं की एक व्यापक सारणी प्रदान करने में सक्षम होने के लिये सतत शिक्षा और लाइसेंस सत्र.
- वित्तीय विवरण पठन (अकसर निवेश विश्लेषकों द्वारा लिखा जाता है).
- सूचित वित्तीय सिफारिशें और निर्णय लेना.
- अर्थव्यवस्था, वर्तमान वित्तीय समाचार और वित्तीय बाज़ारों के बारे में नवीनतम जानकारी रखना.
- जटिल वित्तीय जानकारी का आकलन और व्याख्या करना.

निवेश का काम उच्च स्तर की जिम्मेदारी, अच्छे प्रचार के अवसर और सबसे सफल कर्मचारियों के लिये प्रभावशाली वित्तीय पुरस्कार प्रदान करता है. काम के घंटे अन्य निवेश भूमिकाओं की तुलना में कम हो सकते हैं, लेकिन वे अन्य कॅरिअर की तुलना में अब भी लंबे हैं.

वित्त से जुड़े छात्र हमेशा भ्रमित हो जाते हैं कि उन्हें क्या चुनना है. विभिन्न स्त्रोतों से मिलीजुली जानकारी प्राप्त करते ही वे भ्रमित हो जाते हैं. कुछ अधिकारी कहते हैं कि आपको निवेश बैंकिंग का चयन करना चाहिये क्योंकि इसकी संभावना पोर्टफोलियो या परिसंपत्ति प्रबंधन की तुलना में काफी बेहतर है.

### आइए पोर्टफोलियो प्रबंधन (परिसंपत्ति प्रबंधन) और निवेश बैंकिंग के बीच बुनियादी अंतर को समझें

परिसंपत्ति प्रबंधन सभी ग्राहकों के निवेश के प्रबंधन के बारे में है और निवेश बैंकिंग ग्राहकों के लिए पूंजी जुटाने के बारे में है. अतः इन दोनों के बीच बुनियादी अंतर है अर्थात परिसंपत्ति प्रबंधन के मामले में, ग्राहकों के पास पहले से ही पैसा है जिसे आपको प्रबंधित करने की आवश्यकता है, जबकि निवेश बैंकिंग के मामले में ग्राहकों के पास पैसा नहीं है और आपको अपने ग्राहकों का समर्थन करने के लिये पूंजी जुटाने की आवश्यकता है.

### निवेश कोष प्रबंधकों के लिये महत्वपूर्ण कौशल

निवेश कोष प्रबंधकों के पास अलग-अलग व्यक्तित्व होते हैं. वे एक उद्यमी व्यक्ति होते हैं, जिसका अर्थ है कि वे साहसी, महत्वाकांक्षी, मुखर, बहिर्मुखी, ऊर्जावान, उत्साही, आत्मविश्वास और आशावादी होते हैं. वे प्रभावी, प्रेरक और उत्साही होते हैं. उनमें निम्नलिखित कौशल होते हैं:-

- अच्छा संख्यात्मक और सूचना प्रौद्योगिकी कौशल
- विश्लेषण और समस्या समाधान कौशल
- टीम कार्य कौशल

ये प्रबंधक अपने दिन कम्प्यूटर या लैपटाप पर काम करते हुए आरामदायक कार्यालय के वातावरण में बिताते हैं. निवेश कोष प्रबंधक भी अपने समय का एक बड़ा हिस्सा संपर्क बनाने, उन्हें ग्राहकों में परिवर्तित करने और फिर अपने ग्राहकों को बनाए रखने में बिताते हैं, इनके साथ ही ये बड़े ग्राहकों से संपर्क करने के लिये यात्राएं कर सकते हैं.

### पात्रता

इस क्षेत्र में कॅरिअर के लिये आवश्यक न्यूनतम अर्हता स्नातक डिग्री है और उनके पास वित्त, अर्थशास्त्र, लेखांकन, व्यवसाय प्रशासन, सांख्यिकी प्रमुख विषय हो सकते हैं. हालांकि सफल निवेश प्रबंधक बनने के लिये इच्छुक उम्मीदवार को वित्त में स्नातकोत्तर या वित्त में विशेषज्ञता के साथ एमबीए होना चाहिये. स्टॉक एक्सचेंज द्वारा संचालित विभिन्न निवेश प्रबंधन पाठ्यक्रम भी इस क्षेत्र में कॅरिअर बनाने में सहायक हो सकते हैं.

यह कॅरिअर वाणिज्य, अर्थशास्त्र या व्यवसाय प्रशासन या वित्त में मज़बूत शिक्षा पृष्ठभूमि वाले लोगों के लिये खुला है.

**कदम 1:** श्रेणी XII वरीयतन वाणिज्य या वित्त विषयों के साथ उत्तीर्ण. कोष प्रबंधक के लिये इच्छुक व्यक्ति इस क्षेत्र से संबंधित स्नातक पूर्व पाठ्यक्रमों में प्रवेश ले सकते हैं. कुछेक स्नातकपूर्व और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम निम्नानुसार हैं जिन्हें कोष प्रबंधक अपना सकते हैं:

- निवेश प्रबंधन में डिप्लोमा
- बी.कॉम (वित्त और निवेश विश्लेषण)
- बीबीएम (वित्त प्रबंधन)
- वित्त में एमबीए
- एमबीए (निवेश प्रबंधन)

अपेक्षित अर्हता और रोज़गार का अनुभव प्राप्त करने के बाद, कोई भी अकेले अपना व्यवसाय शुरू कर सकता है या अधिकारियों से अपेक्षित अनुमति के साथ एएमसी में पंजीकृत कर सकता है.

व्यक्तिगत निवेश सलाहकार बनने के लिये एसोसिएशन ऑफ म्युचुअल फंडस ऑफ इंडिया सर्टिफिकेशन टेस्ट को मंजूरी देना आवश्यक है, प्रमाणित वित्तीय नियोजक प्रमाणन एक असाधारण योग्यता होगी. कॉर्पोरेट निवेश सलाहकार बनने के लिये, वित्त में विशेषज्ञता के साथ स्नातक/स्नातकोत्तर होना आवश्यक है.

### अन्य वांछनीय प्रमाणन

इसके अलावा, चार्टर्ड वित्तीय विश्लेषक चार्टर, चार्टर्ड वैकल्पिक निवेश विश्लेषक (सीएआईए चार्टर या वित्तीय जोखिम प्रबंधक, प्रमाणित वित्तीय नियोजक जैसे अन्य प्रमाणन या चार्टर अर्जित करना आपके कॅरिअर के अवसरों को बढ़ावा देगा.

### रोज़गार की संभावनाएं

निवेश प्रबंध क्षेत्र विस्तृत और विविध क्षेत्र है. आप बैंकों, ब्रोकरेज फर्मों, क्रेडिट यूनियनों और बीमा कंपनियों में नौकरी पा सकते हैं. आप एक वित्तीय विश्लेषक, फंड मैनेजर, पोर्टफोलियो मैनेजर, जोखिम प्रबंधक, हेज फंड मैनेजर, वैकल्पिक निवेश विश्लेषक, स्टॉकब्रोकर, जोखिम विश्लेषक, रेटिंग विश्लेषक, निजी इक्विटी एसोसिएट और बहुत कुछ हो सकते हैं. आप व्यक्तियों या व्यवसायों के निवेश का प्रबंधन करना चुन सकते हैं. सही शिक्षा और ज्ञान के साथ वैनगार्ड, जेपी मॉर्गन चेस, गोल्डमैन सैचस, सिटीग्रुप, एचएसबीसी, मेरिल लिंच जैसे प्रसिद्ध वित्तीय संस्थानों में शामिल होने का अवसर है.

यदि आप समर्पित, यथार्थवादी हैं और पहले से वित्त नियोक्ता का पर्याप्त अनुभव रखते हैं तो आप अपने लिये काम कर सकते हैं.

इतने सारे अलग-अलग वित्तीय उत्पादों और भौगोलिक क्षेत्रों के गहन ज्ञान वाले लोगों की बढ़ती आवश्यकता के साथ, यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि अधिकांश उद्योग विश्लेषकों ने अगले दशक में निवेश प्रबंधन क्षेत्र के मध्य मजबूत रोज़गार वृद्धि की उम्मीद होती है. यह रोज़गार क्षेत्र सभी व्यवसायों के मुकाबले औसतन उज्ज्वल है, खासकर यदि आप तकनीक प्रेमी हैं. प्रतिस्पर्धा बहुत अधिक होती है लेकिन सही शिक्षा के साथ आप एक अच्छे प्रवेश स्तर के निवेश की स्थिति में स्वयं को लाने में सक्षम होने चाहियें.

### भारत में कार्यरत कुछेक कंपनियां जहां पर आप रोज़गार की तलाश कर सकते हैं:

- एबीएन एमरो म्युचुअल फंड्स
- एचडीएफसी म्युचुअल फंड्स
- टाटा फंड्स
- एसबीआई म्युचुअल फंड्स
- प्रूडेंशियल आईसीआईसीआई म्युचुअल फंड्स
- बिरला सन लाइफ म्युचुअल फंड्स

निवेश प्रबंधन का व्यवसाय वित्त में उच्चतम शुरुआती वेतन प्रदान करता है. जो लोग प्रतिभाशाली और महत्वाकांक्षी हैं उनके लिये इस वेतन के जल्दी से बढ़ने के भी बहुत अवसर होते हैं.

### संस्थानों की सूची

- भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) कलकत्ता, रायपुर, रांची
- फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (एफएमएस)
- जमनालाल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (जेबीआईएमएस)
- भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद (आईआईएमए)
- भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) बंगलौर
- नर्सी मांजी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (एनएमआईएमएस) मुंबई

यह सोचने की प्रवृत्ति होती है कि जो भी कोई व्यक्ति या व्यवसाय के लिये निवेश करना चाहते हैं वह अंकों के लिये बेताब रहता है. अंक निश्चित रूप से इसमें शामिल होते हैं लेकिन आपका मुख्य ध्यान निवेश पोर्टफोलियो के लिये है और समीकरण तथा गणना पर नहीं है. ये पोर्टफोलियो यथासंभव विविध होने चाहियें, जिसमें विभिन्न व्यवसायों, परियोजनाओं और क्षेत्रों के बहुत सारे विकल्प शामिल होते हैं. इसके अलावा आपको अपने ग्राहकों की जरूरतों, जुनून और भरोसे के लिये इन क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल करनी चाहिये. दूसरे शब्दों में निवेश प्रबंधन आपको विकास और नवाचार करने के लिये उल्लेखनीय रूप से लाभकारी अवसर और ऐसे समाधान प्रदान करता है जो व्यक्तियों के जीवन में या व्यवसाय और पूंजी के आगे बढ़ने में अथवा सही मायने में इन में अंतर करता है.

**(लेखक वरिष्ठ मनोवैज्ञानिक सलाहकार हैं. ई-मेल आईडी: nidhiprasadcs @gmail.com)**

**व्यक्त विचार व्यक्तिगत हैं.**

**(चित्र: गूगल के सौजन्य से)**